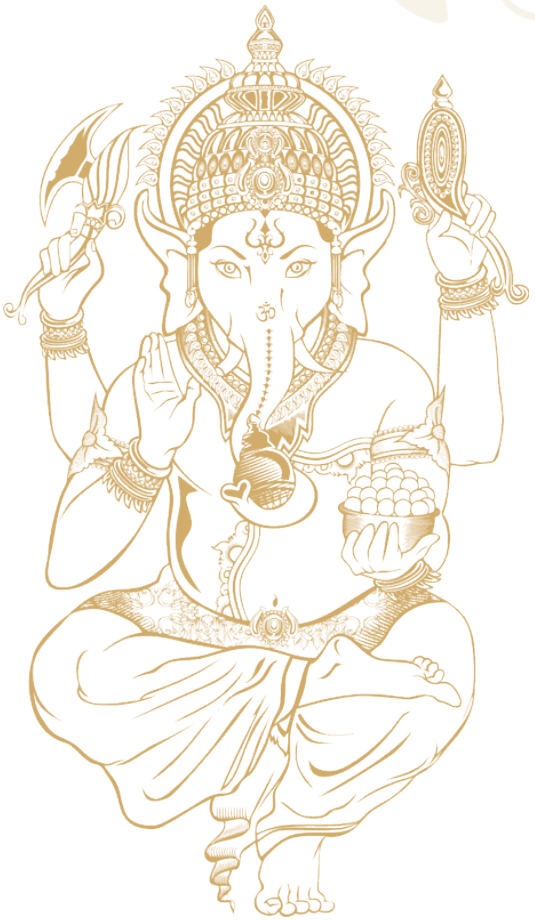

Boy

Sakshi Jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121412802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/10/1997	जन्म तिथि	09/09/1997
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 08:02:00	जन्म समय	20:55:00 घंटे
घटी 04:07:11	जन्म समय(घटी)	36:49:12 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Shivpuri
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	25:26:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	77:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:07	सूर्योदय	06:02:59
18:01:05	सूर्यास्त	18:30:03
23:49:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:26

विंशोत्तरी शनि 5वर्ष 0मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 15वर्ष 1मा 28दि
केतु	19:23:41	तुला	लग्न	मेष	12:47:17	शुक्र
16/10/2019	27:57:07	कन्या	सूर्य	सिंह	23:09:24	08/11/2019
16/10/2026	13:09:23	मीन	चंद्र	वृश्चि	18:06:33	08/11/2039
केतु 13/03/2020	17:39:26	वृश्चि	मंगल	तुला	23:01:00	शुक्र 09/03/2023
शुक्र 13/05/2021	28:49:35	कन्या	बुध व	सिंह	08:53:26	सूर्य 08/03/2024
सूर्य 18/09/2021	18:20:48	मक	गुरु व	मक	19:34:30	चन्द्र 07/11/2025
चन्द्र 19/04/2022	13:39:48	वृश्चि	शुक्र	तुला	03:19:09	मंगल 07/01/2027
मंगल 15/09/2022	22:41:42	मीन व	शनि व	मीन	25:17:54	राहु 07/01/2030
राहु 04/10/2023	25:39:27	सिंह व	राहु व	सिंह	25:55:20	गुरु 07/09/2032
गुरु 09/09/2024	25:39:27	कुंभ व	केतु व	कुंभ	25:55:20	शनि 08/11/2035
शनि 19/10/2025	10:54:43	मक	हर्ष व	मक	11:23:40	बुध 07/09/2038
बुध 16/10/2026	03:21:56	मक	नेप व	मक	03:35:13	केतु 08/11/2039
	10:02:56	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:12:37	

लग्न-चलित

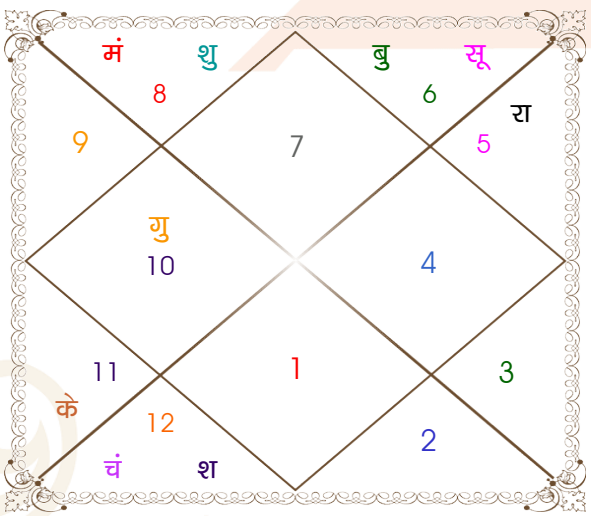

लग्न-चलित

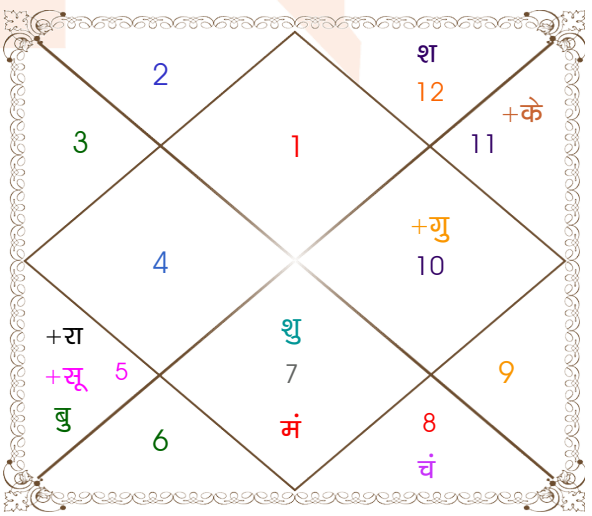

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ठवल का वर्ग सिंह है तथा ीप श्रंपद का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठवल और ीप श्रंपद का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ठवल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ीप श्रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ठवल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ठवल तथा ीप श्रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com